आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
बैग निर्माण और सिलाई एवं कटाई
2023

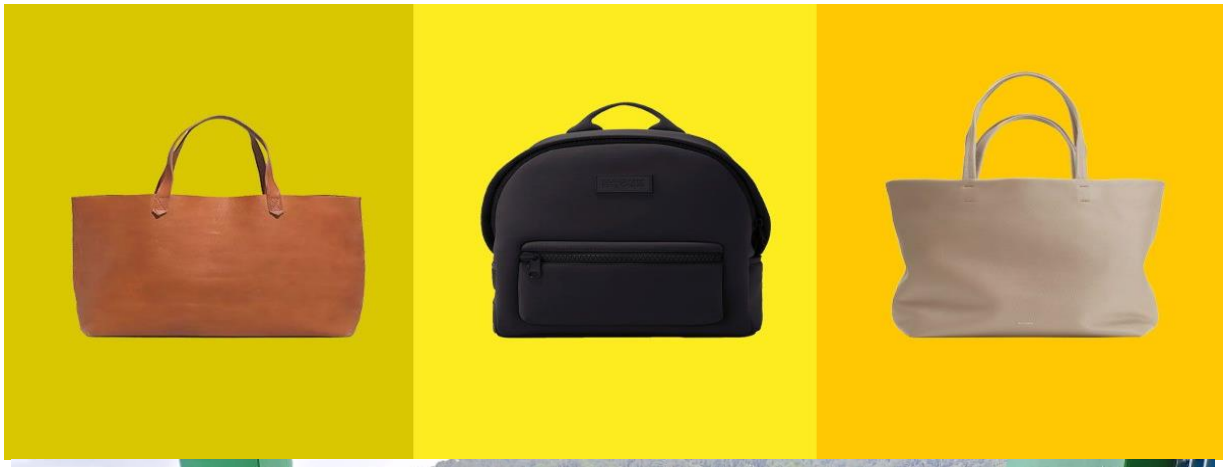

एसएचजी/नाम	:	जय माँ जालपा स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	लागधार-1
एफटीयू/रेंज	:	कोटली
डीएमयू/मंडल	:	मंडी
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू मंडी, परियोजना कर्मचारी मंडी एवं जय माँ जालपा स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
समुह सदस्यों का विवरण	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	5
गांव का भौगोलिक विवरण	5
कार्यकारी सारांश /व्यवसाय योजना बैग बनाना एवं	5
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पादन योजना का विवरण	6
विपणन/बिक्री का विवरण	7
अर्थशास्त्र का विवरण	7-8
फंड की आवश्यकता	9-10
निगरानी विधि	10
टिपणी	10
सिले सूट	
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	11
विपणन /बिक्री का विवरण	12
अर्थशास्त्र का विवरण	13
वित् की आवश्यकता	14
अनुलग्नक	15
अनुलग्नक	16
अनुलग्नक	17

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर–उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

लागधार-1 वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "जय माँ जालपा लागधार-1" स्वयं सहायता समुह ,बैग निर्माण ,कटाई और सिलाई से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए–, उन्होंने बैग निर्माण ,कटाई और सिलाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए समुदाय और परियोजना कर्मचारी दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, सुनीता कुमारी, फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर मंडी और कोटली परिक्षेत्र, श्री दूनी चंद ठाकुर वन रक्षक ,जनित्री बीट और और श्री किशोर कुमार, वनखंड अधिकारी, वन खंड जनित्री शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

जय माँ जालपा लागधार-1 वन ग्रामीण विकास समिति:-

लागधार-1 वन ग्रामीण विकास समिति **बरनोटा** राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत **लागधार** में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के **कोटली** ब्लॉक में स्थित है लागधार-1 वन ग्रामीण विकास समिति मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के कोटली वन परिक्षेत्र के तहत सदर वन खण्ड के जनित्री बीट के अंतर्गत आता है ।

स्वयं सहायता समुह का विवरण

अनौपचारिक जय माँ जालपा स्वयं सहायता समुह का गठन **06-02-2016** में लागधार-1 वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। "जय माँ जालपा" लागधार-1 स्वयं सहायता समुह महिला समूह (**9 महिलाएं**) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में **9 सदस्य** हैं और उनका मासिक योगदान **100/-** रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार हैः–

स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	पति	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	**श्रीमती पुष्पा देवी**	**प्रधान**	**श्री हुस्सन लाल**	सामान्य	39	10th	7018694171
2.	**श्रीमती अनुराधा देवी**	**सचिव**	**श्री वासु देव**	सामान्य	41	10th	8988219087
3.	**श्रीमती पूजा**	**सदस्य**	**श्री नीरज कुमार**	सामान्य	37	बी. ए.	7018590060
4.	**श्रीमती धनी देवी**	**सदस्य**	**श्री युधिस्टर**	सामान्य	42	10th	6230263510
5.	**श्रीमती श्यमा देवी**	**सदस्य**	**श्री राजेंदर पल**	सामान्य	35	10th	9857503328
6.	**श्रीमती पूजा देवी**	**सदस्य**	**श्री मनोहर**	सामान्य	27	बी. ए.	
7.	**श्रीमती मीना देवी**	**सदस्य**	**श्री पवन कुमार**	सामान्य	31	10th	8544710409
8.	**श्रीमती सुनीता देवी**	**सदस्य**	**श्री कमल देव**	सामान्य	37	10th	8580726848
9.	**श्रीमती सिमरा देवी**	**सदस्य**	**श्री बिशन**	सामान्य	59	5th	9857725671

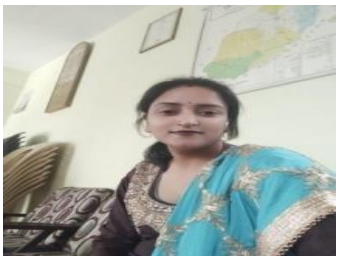

1.श्रीमती पुष्पा देवी (प्रधान) **2. श्रीमती अनुराधा देवी (सचिव)** **3. श्रीमती पूजा (सदस्य)**

4. श्रीमती धनी देवी (सदस्य) **5 श्रीमती मीना देवी (सदस्य)** **6. श्रीमतीपूजा देवी (सदस्य**

7. श्रीमती श्यमा देवी (सदस्य)

नोट:- इन **कुल 09 स्वयं सहयता समूह सदस्यौं** में से केवल **7 सदस्य** ही वर्तमान में **बैग निर्माण और सिलाई एवं कटाई** गतिविधि में भाग लेंगी अन्य महिलायें इस गतिविधि में भाग ले सकती हैं ।

जय माँ जालपा स्वयं सहायता समूह लागधार -1

एसएचजी का नाम	::	**जय माँ जालपा**
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	**लागधार -1**
परिक्षेत्र	::	**कोटली**
वन मण्डल	::	**मंडी वन मंडल**
गांव	::	**लागधार -1**
खंड	::	**सदर**
ज़िला	::	**मंडी**
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	**09**
गठन की तिथि	::	**06-02- 2016**
बैंक का नाम और विवरण	::	**हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक- कोटली**
बैंक खाता संख्या	::	**8718130000554**
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.900/-माह (100/-प्रति सदस्य)
कुल बचत	::	12000/-
कुल अंतर–ऋण	::	50000
नकद ऋण सीमा	::	**5000/-**
चुकौती स्थिति	::	

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	37 किमी
मेन रोड से दूर	: :	0 km (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	कोटली 13 किमी, मंडी 37 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	कोटली 13 किमी, मंडी 37 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	कोटली, मंडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

कार्यकारी सारांश

बैग उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व् ग्रामीण बैग उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका में सुधारला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ोतरी कर सकते है। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए प्रक्षिशण और उन्नत किस्म की मशीने समूह को अनुदान पर प्रदान के जाएँगी। जिस से समूह के सदस्य अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

उत्पाद का नाम	::	बैग
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जेआईसीए परियोजना की सहायता से बैग बनाना शुरू किया जाना है, जो उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लिया	::	बैग के प्रकार और आकार के आधार पर 1 बैग को पूरा होने में लगभग 1-2 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले बैग	::	शुरू में 4 बैग

विपणन/बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	आच्छादित गांव – लग धार आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
बैग की मांग	::	साल भर (लंच बॉक्स और पानी की बोतलों के लिए बैग और उत्सव, शादी के अवसरों पर यात्रा के लिए कैरी बैग की मांग अधिक होती है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

जोखिम विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
बैग सिलाई मशीन	4	10000	40000
मोटर संचालित मशीन	1	15000	15000
दर्जी कैंची	8	400	3200
सिलाई रूलर (फीता) सेट	8	600	4800
सिलाई दर्जी Tape	8	100	800
अलमारी		लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**74600**

	आवर्ती लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	बैग बनाने के लिए कपड़ा (जूट और मोटी कपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600
3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	बैग/माह	लगभग	लगभग	8000
5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत					**23500**

सी।	**उत्पादन की लागत (मासिक)**	
अनु क्रमांक	**विवरण**	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	**23500**

	बैग की कीमत (प्रति बैग)				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्ठा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आय और व्यय का विश्लेषण (महीने के):

क्रमांक	**विवरण**	**राशि (रु.)**
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह सिले कुल बैग	120 (लगभग मात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300

6.	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	**विवरण**	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
1	कुल पूंजीगत लागत	**74600**	55950	18650
2	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
3	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	**148100**	**105950**	**42150**

परियोजना की कुल लागत है

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = **74600**/-

आवर्ती लागत = **23500/**-

प्रशिक्षण =**50000**

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 148100 /-

व्यवसाय योजना एसएचजी योगदान का कुल योग रु. केवल 42150 /-

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थनः	• पूंजीगत लागत का 50%-75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।

स्वयं सहायता समूह योगदान	□ पूंजीगत लागत का 50-25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत 100%	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी सिले सूट है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

सिले सूट

द्वारा

जय माँ जालपा-स्वयं सहायता समूह

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	**सिले सूट**
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि बैग निर्माण कटाई और सिलाई से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – ठलग धार
	::	आस–पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस–पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस–पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व–उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	4	6000	24000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
मोटर संचालित मशीन	1	15000	15000
एम्ब्रिडरी मशीन	1	15000	15000
आयरन प्रेस	2	500	1000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**61000**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800

2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)

विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	**8400**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)

विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता बैग बनाना:-

क्रमांक	**विवरण**	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
1	कुल पूंजीगत लागत	**74600**	55950	18650
2	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
3	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	**148100**	**105950**	**42150**

वित् की आवश्यकता: कटाई, सिलाई

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	61000	**45,750**	15250
कुल आवर्ती लागत	7800	**0**	7800

प्रशिक्षण	75000	**75000**	0
कुल	**143800**	**1,20,750**	**23050**

व्यवसाय योजना (वित् की आवश्यकता)का कुल योग:-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत (लाभार्थी अंशदान)**	**परियोजना का हिस्सा**	**कुल लागत**
1	बैग बनाना	**74600/-**	**23500/-**	**55950/-**	**98,100**
2	कटाई, सिलाई	**61000/-**	**7800/-**	**45,750/-**	**68800**
3.	प्रशिक्षण	**1,25,000/-**		**1,25,000/-**	**125000**
	कुल	**2,60,600/-**	**31300/-**	**2,26,700/-**	**291900**

परियोजना की कुल लागत है

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत =**74600**/- (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग –I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 98,100/-

पूंजीगत लागत = **61000/-** (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग –I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =68800/-

प्रशिक्षण =50000+75000=**125000/-**

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 291900/-

अनुलग्नक-1

हम जय माँ जालपा स्वम सहयता समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और लागधार-1 वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने (बैग निर्माण एवं कटाई और सिलाई) को चुना गया।

क्र स	नाम	पद	पति	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	हस्ताक्षर
1	श्रीमती पुष्पा देवी	प्रधान	श्री हुस्सन लाल	सामान्य	39	10th	
2	श्रीमती अनुराधा देवी	सचिव	श्री बासु देव	सामान्य	41	10th	Anuradha
3	श्रीमती पूजा	सदस्य	श्री नीरज कुमार	सामान्य	37	BA	Pooja
4	श्रीमती धनी देवी	सदस्य	श्री युधिस्टर	सामान्य	42	10th	Dhani Devi
5	श्रीमती श्यमा देवी	सदस्य	श्री राजेंदर पल	सामान्य	35	10th	Shyama
6	श्रीमती पूजा	सदस्य	श्री मनोहर	सामान्य	27	BA	Pooja
7	श्रीमती मीना देवी	सदस्य	श्री पवन कुमार	सामान्य	31	10th	Meena
8	श्रीमती सुनीता देवी	सदस्य	श्री कमल देव	सामान्य	37	10th	Sunita

Anuradha
सचिव

प्रधान
जय माँ जालपा स्वयं सहायता समूह लागधार
विकास खण्ड सदर जिला मण्डी (हि०प्र०)

अनुलग्नक-1

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बैग निर्माण एवं कटाई और सिलाई) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	पति	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	हस्ताक्षर
1	श्रीमती पुष्पा देवी	प्रधान	श्री हुस्सन लाल	सामान्य	39	10th	
2	श्रीमती अनुराधा देवी	सचिव	श्री वासु देव	सामान्य	41	10th	
3	श्रीमती पूजा	सदस्य	श्री नीरज कुमार	सामान्य	37	बी. ए.	
4	श्रीमती धनी देवी	सदस्य	श्री युधिस्टर	सामान्य	42	10th	
5	श्रीमती श्यमा देवी	सदस्य	श्री राजेंदर पल	सामान्य	35	10th	
6	श्रीमती पूजा	सदस्य	श्री मनोहर	सामान्य	27	बी. ए.	
7	श्रीमती मीना देवी	सदस्य	श्री पवन कुमार	सामान्य	31	10th	
8	श्रीमती सुनीता देवी	सदस्य	श्री कमल देव	सामान्य	37	10th	
9.	श्रीमती सिमरा देवी	सदस्य	श्री बिशन	सामान्य	59	5th	

हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

डीएमयू द्वारा स्वीकृत